CTRL Tomorrow

मानवीय क्षमता के अगले स्तर को अनलॉक करना

जितनी ज्यादा तकनीक हमारी जिंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, उतना ही यह सवाल जरूरी होता जा रहा है कि इंसान होने का मतलब क्या है।

हमारे पास वास्तव में कितनी स्वतंत्रता या नियंत्रण है? तकनीक हमारे व्यक्तित्व और हमारी भावनाओं को कैसे प्रभावित करती है? हम अपनी वास्तविक क्षमता को बढ़ाने के लिए तकनीक का बेहतर इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं?

पहली बार किए गए वैश्विक Logitech Ctrl Tomorrow Study में इन्हीं सवालों और ऐसे कई अन्य सवालों का पता लगाया गया है। यह इस बात की पड़ताल करता है कि हम इंसान अपनी जिंदगी में मौजूद तकनीक पर कितना नियंत्रण रख सकते हैं — और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह नियंत्रण हमारे आत्मविश्वास, आशावाद, जुड़ाव की भावना और खुशहाली को कैसे प्रभावित करता है। तकनीकी बदलावों की इस तेज लहर के बीच, हममें से कुछ लोगों को लग सकता है कि हम पीछे छूट गए हैं या बदलाव की धारा में बह रहे हैं, जबकि कुछ को लग सकता है कि इससे उन्हें आगे बढ़ने का सहारा मिल रहा है।

Logitech में हम लंबे समय से मानते आए हैं कि तकनीक काम और मनोरंजन, दोनों में हमारी मानवीय क्षमता को बढ़ाने की ताकत है। जब मनुष्य आज की तकनीक को नियंत्रित करते हैं, तो हम कल को नियंत्रित करते हैं।

परिचय

केवल 50 वर्षों में हमने PC क्रांति देखी, जिसके बाद मोबाइल क्रांति आई, cloud और स्पैशियल कंप्यूटिंग का उदय हुआ और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है।

सभी तकनीकी विकासों का लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर — काम और मनोरंजन, दोनों में — बड़ा असर पड़ा है।

Logitech के प्रोडक्ट लोगों और डिजिटल दुनिया के बीच जुड़ाव का माध्यम हैं, इसलिए इंसानों और तकनीक के बीच का तालमेल हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। जहां तकनीक पर होने वाली ज्यादातर रिसर्च सिर्फ उत्पादकता को मापने तक सीमित रहती है, वहीं हम एक अलग सवाल पूछना चाहते थे: तकनीक के साथ हमारा अनुभव हमारे महसूस करने के तरीके को कैसे प्रभावित करता है — काम पर, घर पर और आने वाले कल के बारे में हमारी सोच पर?

वैश्विक Logitech Ctrl Tomorrow Study में नौ देशों के 8,000 से अधिक लोगों के सर्वेक्षणों से मिले डेटा का इस्तेमाल किया गया है। इसमें गेमर्स का एक अतिरिक्त बड़ा सैंपल और अमेरिका में IT Decision Makers (ITDMs) के साथ किए गए कुछ गहन इंटरव्यू भी शामिल हैं।

और इन निष्कर्षों से पता चलता है कि अपनी तकनीक पर लोगों का नियंत्रण, भावनात्मक लाभ, प्रोडक्टिविटी में बढ़ोतरी और आने वाले कल में क्या संभव है, इस भावना को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाता है।

आपके पास जितना अधिक नियंत्रण होगा, आप उतने ही अधिक लाभ का अनुभव करेंगे। लेकिन डेटा यह भी दिखाता है कि नियंत्रण की कमी महसूस करने के साथ अधिक नकारात्मक भावनाएं आती हैं।

नियंत्रण, परिभाषित

(n)
/kan'troul/ - [con·tro1]
इस स्टडी के लिए, नियंत्रण का मतलब उस हद से है, जहां लोगों की तकनीक से जो उम्मीदें होती हैं और तकनीक वास्तव में जो उपलब्ध कराती है, उनके बीच तालमेल होता है। Logitech Ctrl Tomorrow Study में इस नियंत्रण को तकनीक के सेटअप, तकनीक के इस्तेमाल के तरीके, तकनीक को लेकर भावनात्मक प्रतिक्रिया और तकनीक की संभावनाओं के बारे में लोगों के नजरिए से जुड़े सवालों के हजारों वैश्विक जवाबों के आधार पर मापा गया है। नियंत्रण एक ऐसी चीज है, जिसे कोई भी जानबूझकर किए गए विकल्पों और जानबूझकर अपनाई गई मानसिकता के माध्यम से प्राप्त कर सकता है। इसका प्रभाव केवल इस बात से नहीं मापा जाता है कि आपकी डेस्क पर क्या होता है, बल्कि इस बात से भी कि यह आपके पूरे जीवन में क्या परिणाम देता है।

हमारे निष्कर्ष देखें:

पेज 21 पर ITDM के निष्कर्ष देखें

पेज 14 पर गेमर के निष्कर्ष देखें

देश के निष्कर्ष पेज 10 पर देखें

नियंत्रण बड़े पैमाने पर लाभ देता है

दुनिया भर में **4 में से 3** से ज्यादा लोग इस बात से सहमत हैं कि जो लोग अपनी तकनीक पर ज्यादा नियंत्रण महसूस करते हैं, वे वास्तव में जिंदगी से ज्यादा हासिल करते हैं।

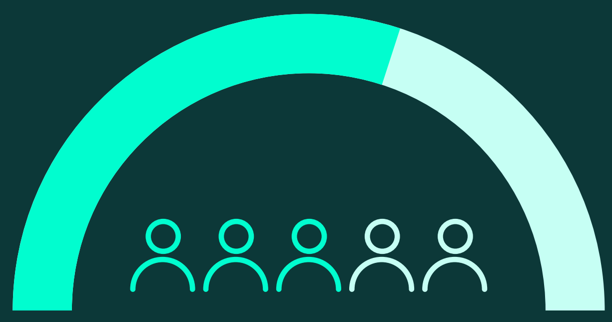

लगभग **5 में से 3** लोग कहते हैं कि अपनी तकनीक पर नियंत्रण उनके समग्र मूड को प्रभावित करता है।

हर **2 में से 1** व्यक्ति का कहना है कि जब उन्होंने अपनी तकनीक पर नियंत्रण रखा, तब उन्होंने कुछ ऐसा हासिल किया जो उन्हें पहले संभव नहीं लगता था।

फिर भी, नियंत्रण की कमी के अपने नुकसान भी हैं

लगभग **3 में से 2** लोगों का कहना है कि तकनीक के काम न करने पर उन्हें निराशा, चिंता या गुस्सा महसूस होता है।

लगभग **2 में से 1** व्यक्ति का कहना है कि तकनीक के काम न करने पर उन्हें बेबस, शर्मिंदा या थका हुआ महसूस होता है या उन्हें लगता है कि वे पीछे छूट रहे हैं।

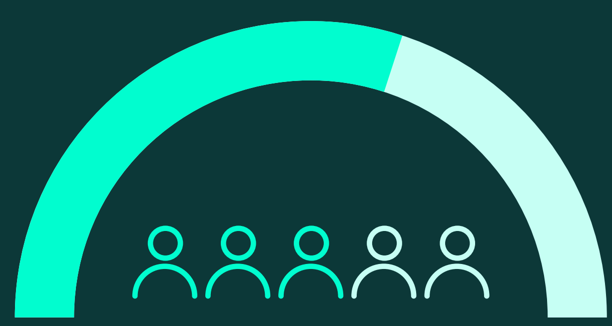

लगभग **5 में से 3** लोगों का कहना है कि टेक्नोलॉजी से जुड़ी परेशानियां उनके निजी जीवन पर अपने नियंत्रण की भावना और काम के घंटों के बाद उनके कुल मूड को प्रभावित करती हैं।

Ctrl Score

Logitech Ctrl Tomorrow Study में नियंत्रण को बेहतर ढंग से समझने और मापने के लिए, हमने Ctrl Score नाम से एक नया और ट्रैक किए जा सकने वाला बेंचमार्क तैयार किया। यह तकनीक पर नियंत्रण का पहला वैश्विक समग्र इंडेक्स है, जो यह दर्शाता है कि तकनीक की दुनिया में लोगों का नियंत्रण एक निरंतरता पर कहां स्थित है — तकनीक की दुनिया में भागीदारी न करने से लेकर तकनीक पर पूरी तरह कमांड रखने तक।

प्रत्येक स्कोर की गणना नियंत्रण के इन तीन आयामों में लोगों द्वारा प्रश्नों के उत्तरों से की जाती है। साथ मिलकर, ये तकनीक से जुड़े वे व्यावहारिक विकल्प दर्शाते हैं, जिन्हें लोग चुनते हैं और उन विकल्पों से जुड़ी भावनात्मक अहमियत को भी दर्शाते हैं। वे इस बात की भी जानकारी देते हैं कि कोई भी व्यक्ति अधिक नियंत्रण कैसे प्राप्त कर सकता है।

तकनीकी सेटअप और इरादा

लोग अपने रोजमर्रा के तकनीकी अनुभव का हिस्सा बनने वाले भौतिक डिवाइस और टूल कितनी सोच-समझकर चुनते, तैयार करते और उनका लगातार मूल्यांकन करते हैं।

दृष्टिकोण और नज़रिया

तकनीक का इस्तेमाल करने और नए टूल अपनाने के दौरान कोई व्यक्ति खुद को कितना आत्मविश्वासी, जानकार और खुले विचारों वाला महसूस करता है।

तकनीकी क्षमता का दृष्टिकोण

क्या कोई व्यक्ति तकनीक को अपनी क्षमता को उजागर करने और काम पूरा करने, कुछ नया बनाने, आगे बढ़ने और दूसरों से जुड़ने में मदद करने वाली चीज के रूप में देखता है या फिर ऐसी चीज के रूप में जो उसे पीछे रोकती है।

हर कोई तकनीक से एक जैसा जुड़ाव महसूस नहीं करता, और Ctrl Score की निरंतरता पर मौजूद पांच अलग-अलग प्रोफाइल इसे साफ तौर पर दिखाते हैं। प्रत्येक प्रोफाइल नई तकनीक के साथ व्यक्ति के सहजता स्तर को मापता है। हर प्रोफाइल से यह भी पता चलता है कि उनके व्यक्तिगत और पेशेवर लाभ या नुकसान का अनुभव करने की कितनी संभावना है। यह एक ऐसा स्कोर है, जो समय के साथ बदल सकता है, क्योंकि तकनीक के प्रति किसी व्यक्ति का रवैया और दृष्टिकोण भी बदलता रहता है।

टेक कमांडर्स
Ctrl Score: 80-100

हर आयाम में तकनीक के साथ सक्रिय और सोच-समझकर बनाए गए संबंध।

टेक निर्माता
Ctrl Score: 60-79

जानबूझकर और ज्यादातर आत्मविश्वास के साथ।

टेक अनुकूलक
Ctrl Score: 40–59

सहज महसूस करना, लेकिन सहजता नियंत्रण नहीं है।

टेक उत्तराधिकारी
Ctrl Score: 25–39

निष्क्रिय भागीदार। तकनीक आई और उन्होंने इसे नहीं चुना।

टेक दर्शक
Ctrl Score: 0–24

तकनीक से संचालित दुनिया में मौजूद हैं, लेकिन उसमें भाग नहीं ले रहे हैं।

नियंत्रण अंतराल

डेटा से पता चलता है कि लोगों के पास एक ही तकनीक तक पहुंच होने के बावजूद, उनके अनुभव बिल्कुल अलग हो सकते हैं, इस मामले में वे आज कैसा महसूस करते हैं और आने वाले कल को किस नजरिए से देखते हैं। उन्हें अलग करने वाला चर नियंत्रण है। ये अंतराल दुनिया भर में Ctrl Scores में देखे जाते हैं।

10% लोग टेक कमांडर्स हैं, जो इरादे और एजेंसी के उच्चतम स्तर पर काम कर रहे हैं।

20% टेक निर्माता हैं, जो इरादतन और अधिकतर आत्मविश्वासी हैं।

35% टेक अनुकूलक हैं, जो सहज तो हैं लेकिन वास्तव में नियंत्रण में नहीं हैं।

35% टेक उत्तराधिकारी या टेक दर्शक हैं, जो अपने डिजिटल जीवन में काफी हद तक निष्क्रिय भागीदार हैं

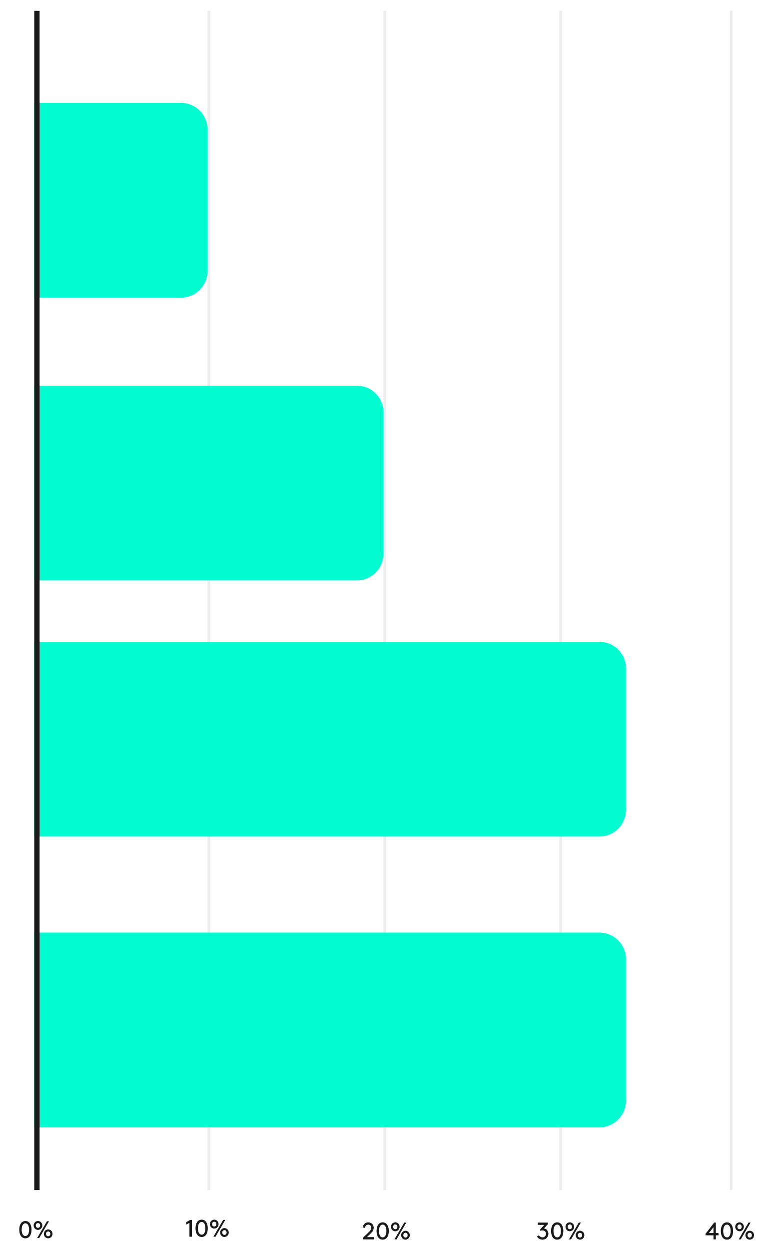

पूर्ण नियंत्रण वाले बहुत कम - लेकिन पहुंच के भीतर कई हैं

वैश्विक परिणाम दिखाते हैं कि उच्च Ctrl Scores वाले लोगों में घर और काम पर लाभ का अनुभव करने की सबसे अधिक क्षमता होती है। जबकि लगभग एक तिहाई लोग अपनी तकनीक पर उच्च स्तर की एजेंसी महसूस करते हैं, 70% अपने टेक सेटअप के साथ कम इरादतन हैं या उनमें कम आत्मविश्वास है। यह उन्हें तकनीक पर नियंत्रण से मिलने वाले लाभों को पूरी तरह से महसूस करने से रोकता है, जैसे बेहतर रचनात्मक प्रवाह या अधिक ऊर्जा। इससे उन्हें खराब टेक सेटअप से होने वाले नुकसान भी झेलने पड़ सकते हैं, जैसे काम का दिन खत्म होने के बाद खुद को बेबस या कम ऊर्जावान महसूस करना।

एक ही कीबोर्ड, दो अलग दुनिया

एक टेक कमांडर्स और टेक दर्शक को एक ही तकनीक के साथ आमने-सामने रखें, तो उसी तकनीक के प्रति उनकी भावनात्मक प्रतिक्रिया में जमीन-आसमान का फर्क नजर आएगा। जहाँ एक अवसर देखता है, दूसरा चिंता महसूस करता है। नियंत्रण इस बात को प्रभावित करता है कि लोग हर दिन जिस दुनिया में रह रहे हैं, उसका अनुभव कैसे करते हैं चाहे वे कितनी उम्मीद महसूस करते हों या कितना अकेलापन महसूस कर सकते हों।

टेक कमांडर्स के बीच

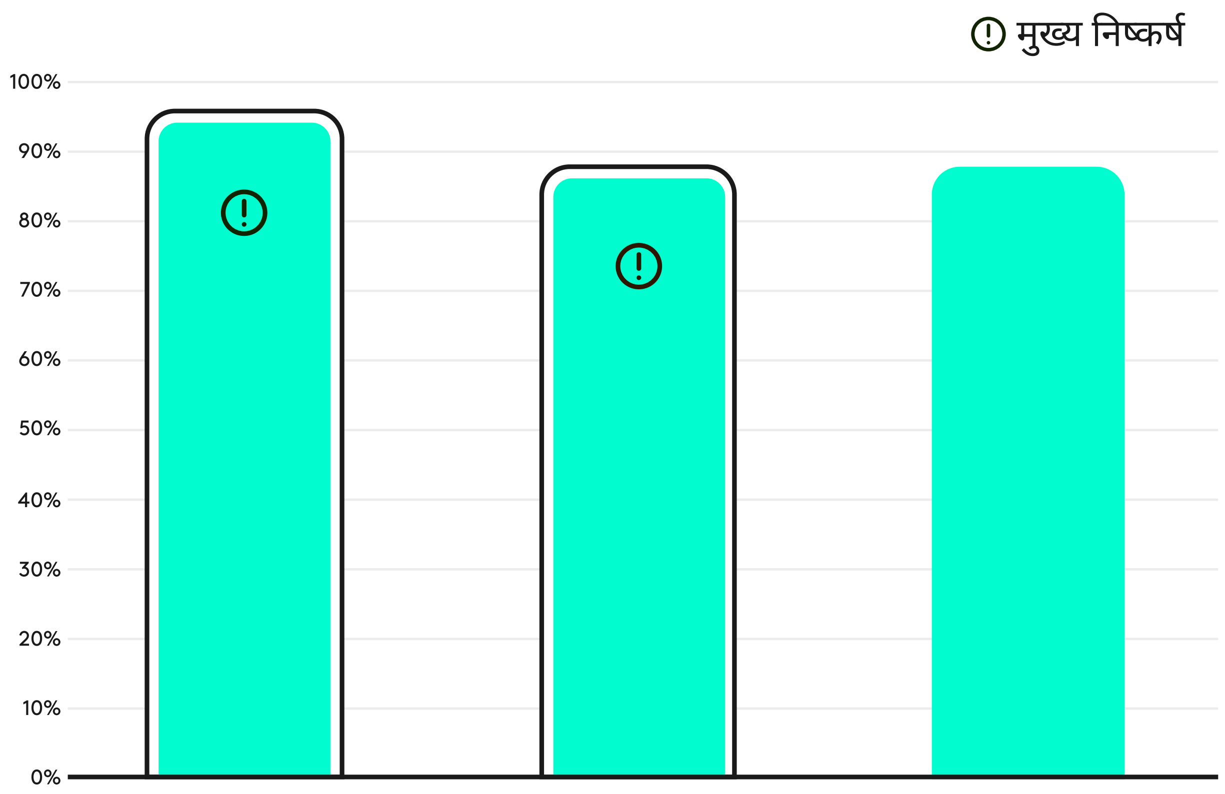

96% नई तकनीक के लिए उत्सुक हैं

89% का कहना है कि तकनीक नए अवसर पैदा करती है

89% का कहना है कि यह उन्हें उन लोगों के करीब लाती है, जिनकी वे परवाह करते हैं

लेकिन टेक दर्शक के बीच

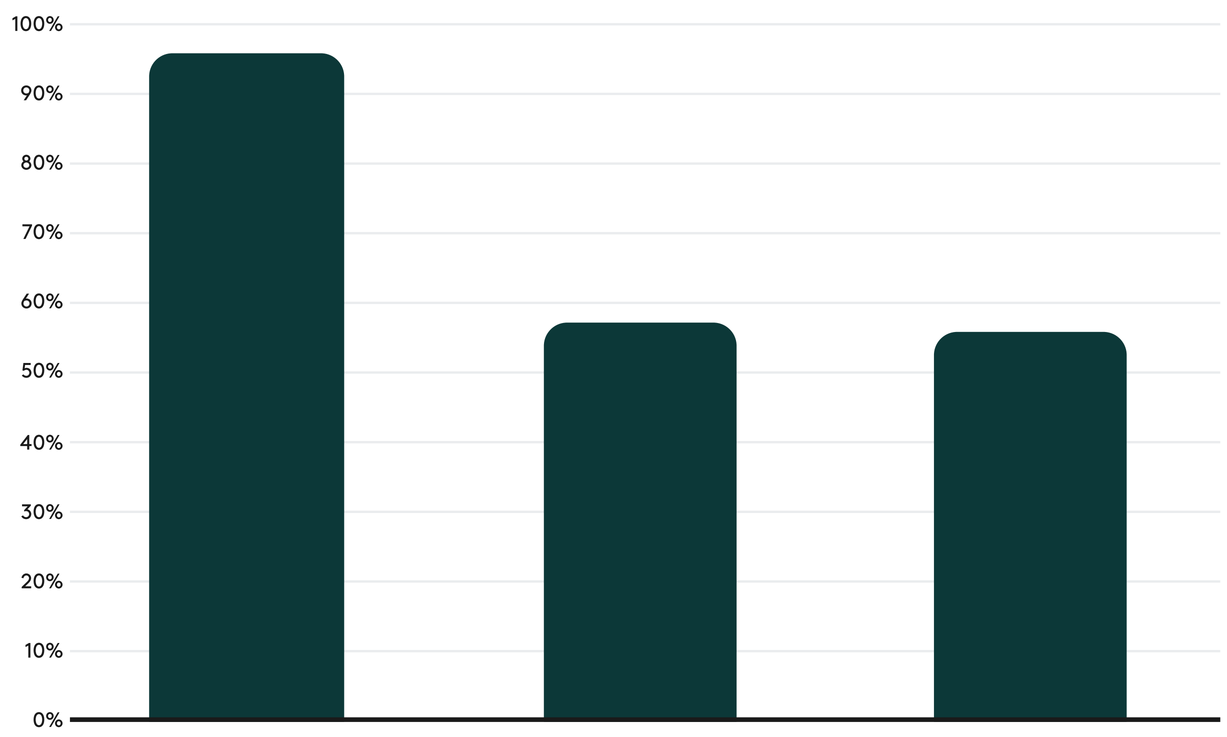

74% नई तकनीक को लेकर चिंतित महसूस करते हैं

60% का कहना है कि तकनीक नए दबाव पैदा करती है

53% का कहना है कि यह उन्हें अधिक अलग-थलग कर देती है

"जब मेरा टेक सेटअप ठीक उसी तरह काम करता है, जैसा मैं चाहता हूं, तो मुझे लगता है कि मैं सच में माउंट एवरेस्ट भी चढ़ सकता हूं... मुझे लगता है कि मुझे कभी कोई नहीं रोक सकता। मैं शक्तिशाली महसूस करता हूं। मैं अजेय महसूस करता हूं।

जैरेड, 29

आशावाद का संबंध

तकनीक के प्रति रवैया, जिसमें किसी व्यक्ति का ज्ञान और आत्मविश्वास भी शामिल है, उसके समग्र नियंत्रण की भावना से जुड़ा हुआ है। जिन लोगों का Ctrl Scores ज्यादा है, वे आमतौर पर ज्यादा आशावादी होते हैं, जबकि कम स्कोर वाले लोग भी इस बात को महत्व देते हैं कि तकनीक उनके भविष्य की खुशहाली में किस तरह भूमिका निभा सकती है।

91% टेक कमांडर्स को भरोसा है कि तकनीक उनकी पेशेवर महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की क्षमता को बेहतर बनाएगी।

लेकिन केवल **54% टेक उत्तराधिकारी और टेक दर्शक ही उस** आशावाद को साझा करते हैं

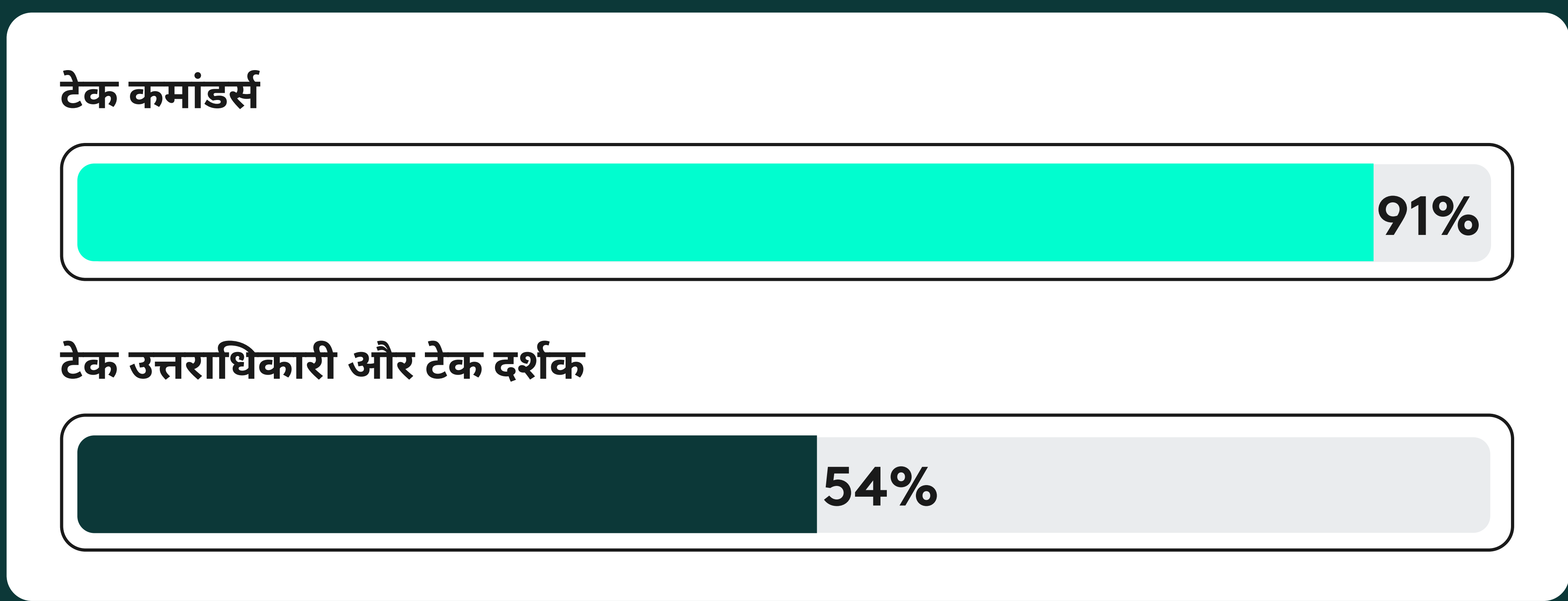

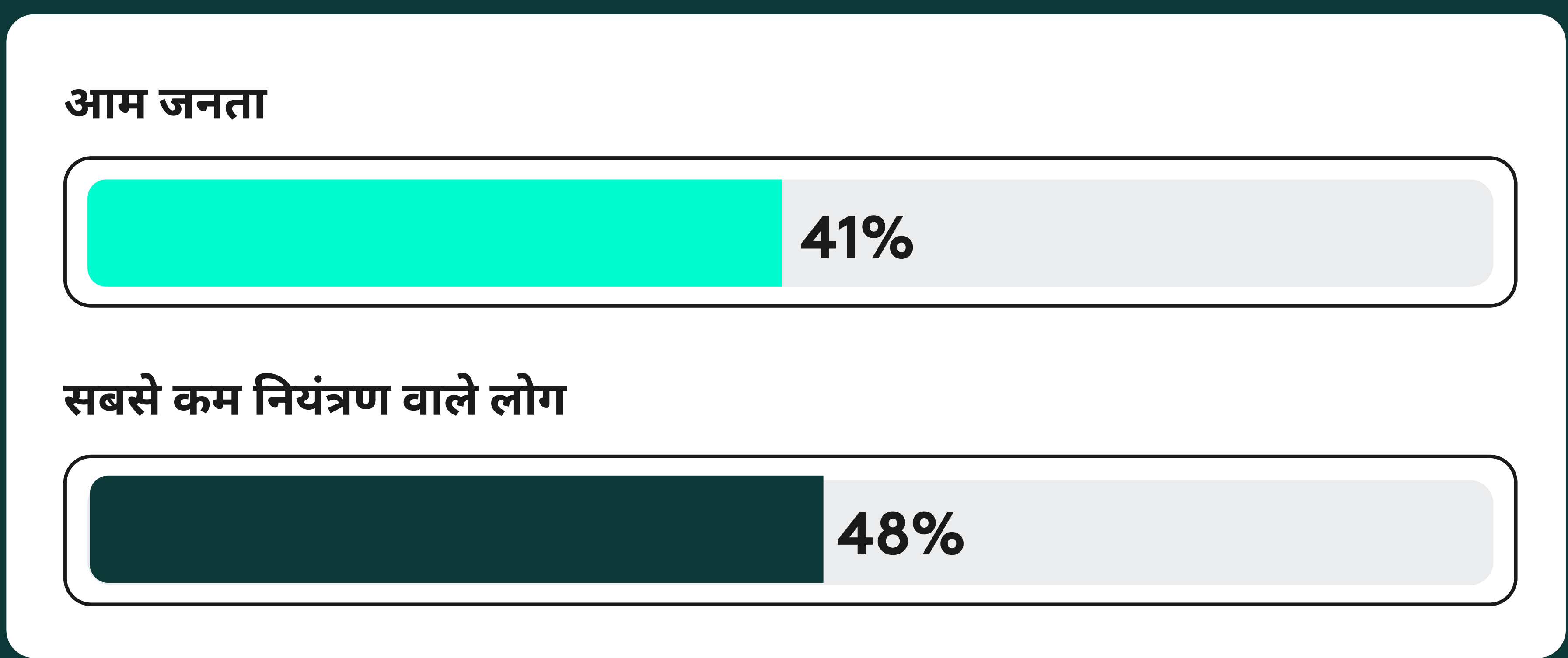

41% लोगों का कहना है कि अगर तकनीक उनके रोजमर्रा या बार-बार किए जाने वाले काम संभाल ले, तो वे अपनी खुशहाली, मानसिक स्वास्थ्य और काम-काजी जीवन के संतुलन को बेहतर बनाने पर ज्यादा ध्यान दे पाएंगे। यह आंकड़ा सबसे कम नियंत्रण महसूस करने वाले लोगों में लगभग आधे तक पहुंच जाता है — इससे पता चलता है कि जो लोग आज खुद को नियंत्रण से सबसे दूर महसूस करते हैं, वे तकनीक के भविष्य के महत्व को व्यक्तिगत खुशहाली के नजरिए से देखने की सबसे ज्यादा संभावना रखते हैं।

पैसा नियंत्रण नहीं खरीद सकता

अगर तकनीक पर नियंत्रण सिर्फ पैसे पर निर्भर होता, तो लोगों की नजर में सबसे ज्यादा नियंत्रण रखने वालों की सूची में अमीर लोग सबसे ऊपर होते — लेकिन ऐसा नहीं है। इसके बजाय, लोगों का मानना है कि आज तकनीकी विशेषज्ञता रखने वाले लोगों का तकनीक पर सबसे ज्यादा नियंत्रण है। वे उन लोगों से भी आगे हैं, जो ज्यादा टूल और सेवाएं खरीद सकते हैं, उन कंपनियों से जो नियम और शर्तें तय करती हैं और उन नियोक्ताओं से जो यह तय करते हैं कि कौन-सी तकनीक इस्तेमाल की जाए।

- 44% का कहना है कि तकनीकी विशेषज्ञता वाले लोग
- 13% का कहना है कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां
- 21% का कहना है कि अमीर लोग
- 8% का कहना है कि नियोक्ता

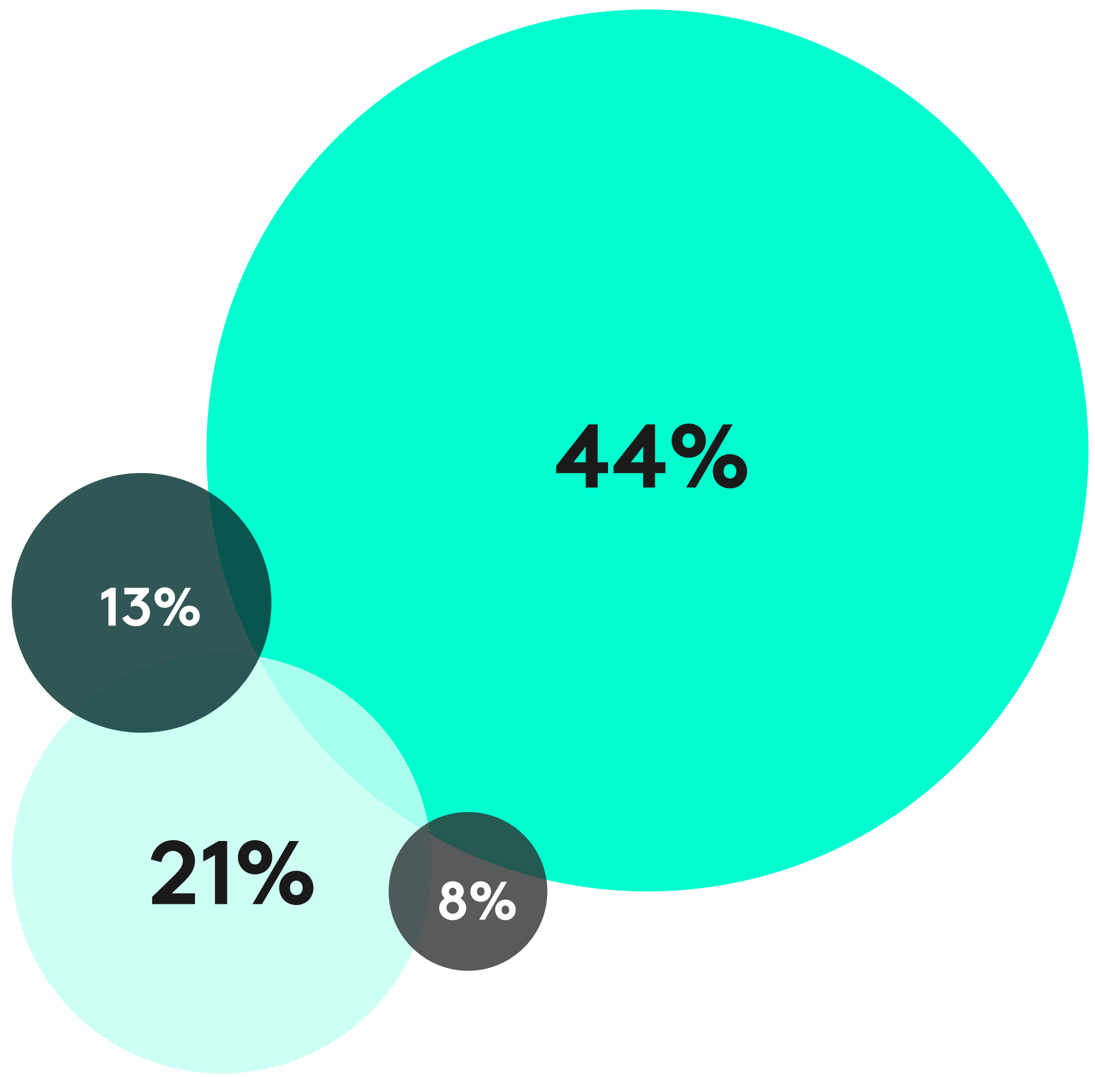

नियंत्रण AI (एआई) को अपनाने का प्रवेश द्वार है

AI (एआई) में बदलाव की रफ्तार तकनीकी क्रांति की परिभाषा को नए सिरे से बदल रही है और इसके साथ तालमेल बिठाने की हमारी मानवीय क्षमता की परीक्षा ले रही है। AI (एआई) तत्परता एक तकनीकी चुनौती से पहले एक मानवीय चुनौती है। किसी व्यक्ति के सामने मौजूद तकनीक के साथ उसकी सहजता और आत्मविश्वास इस बात का अच्छा संकेत देते हैं कि वह आगे आने वाली नई तकनीक को अपनाने के लिए कितना तैयार है, और वैश्विक Ctrl Score के नतीजे भी यही दिखाते हैं। सबसे अधिक नियंत्रण रखने वाले लोग AI (एआई) को लेकर उत्साहित हैं और पहले से ही इसके साथ जुड़ रहे हैं। जो लोग खुद को नियंत्रण में महसूस नहीं करते, वे पीछे हट रहे हैं और उनके पीछे छूट जाने का जोखिम बढ़ रहा है।

65% टेक कमांडर्स AI (एआई) को लेकर उत्साहित हैं, जबकि सिर्फ **5%** लोग इसका बिल्कुल इस्तेमाल नहीं करते हैं।

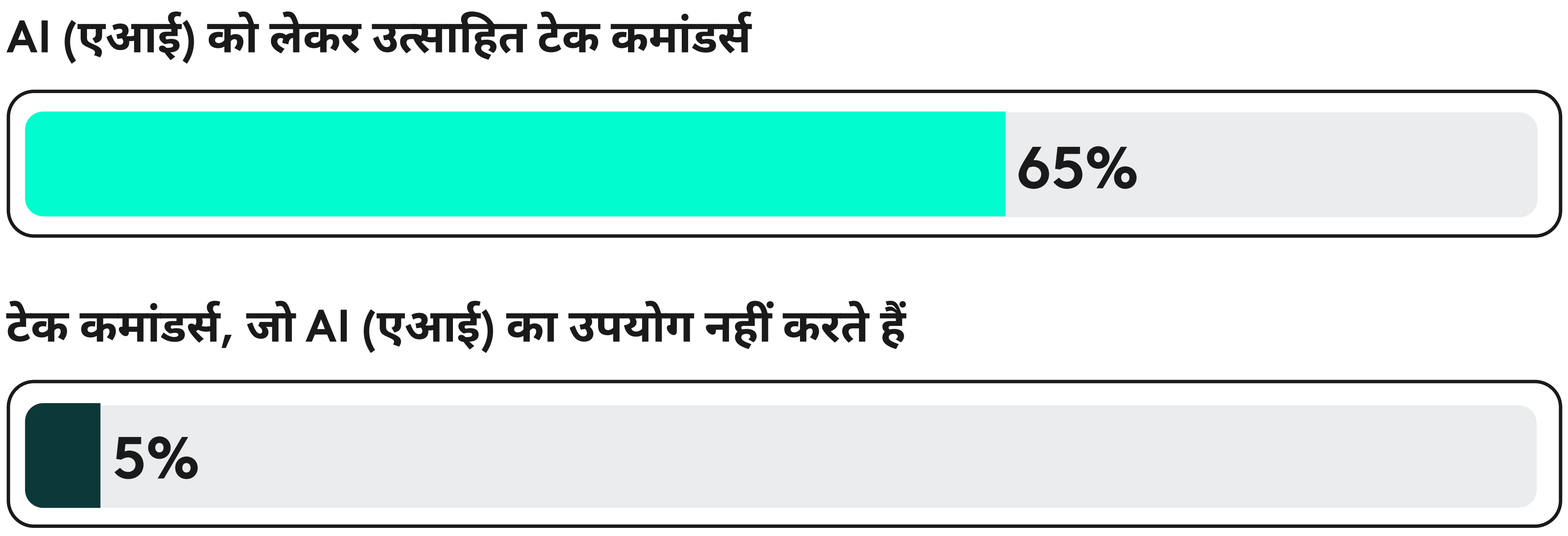

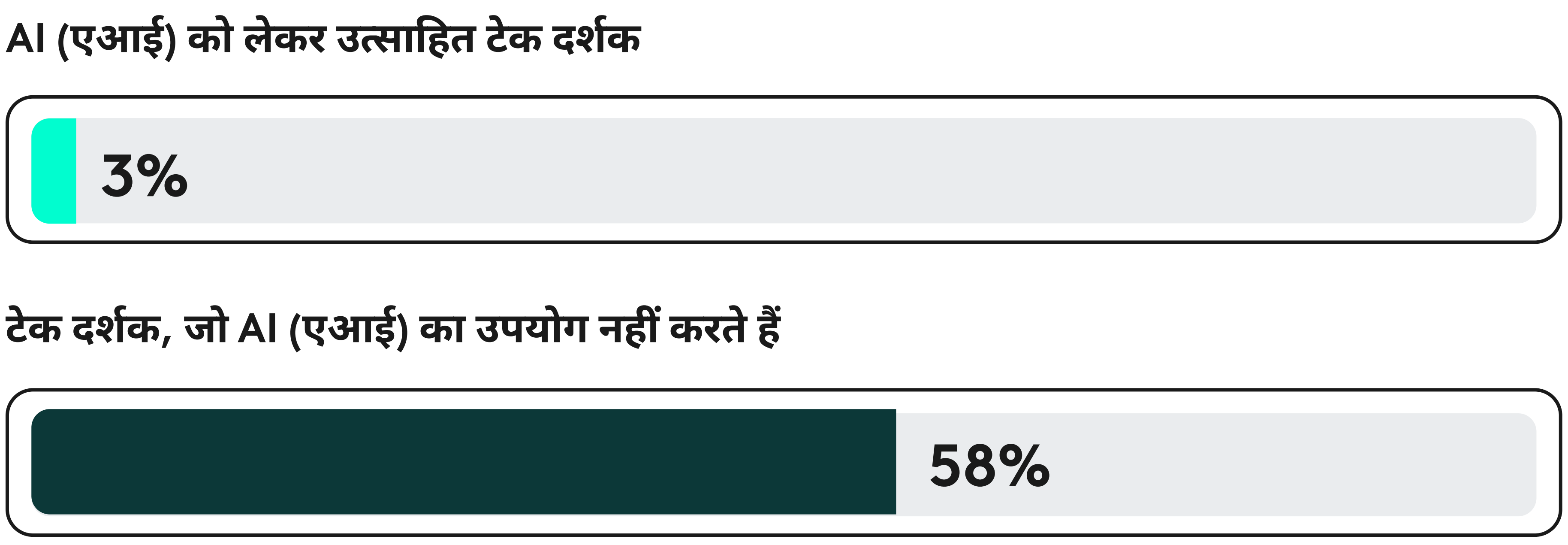

3% टेक दर्शक AI (एआई) को लेकर उत्साहित हैं, जबकि **58%** इसका बिल्कुल भी उपयोग नहीं करते हैं

स्पर्शनीय तकनीक नियंत्रण को बढ़ावा देती है

जब लोगों से पूछा जाता है कि अपनी तकनीक से जुड़ी जिंदगी में वे कहां नियंत्रण रखते हैं, तो जवाब अक्सर सचमुच उनके हाथ में होता है। भौतिक डिवाइस और नियंत्रण की भावना के बीच एक वास्तविक संबंध है।

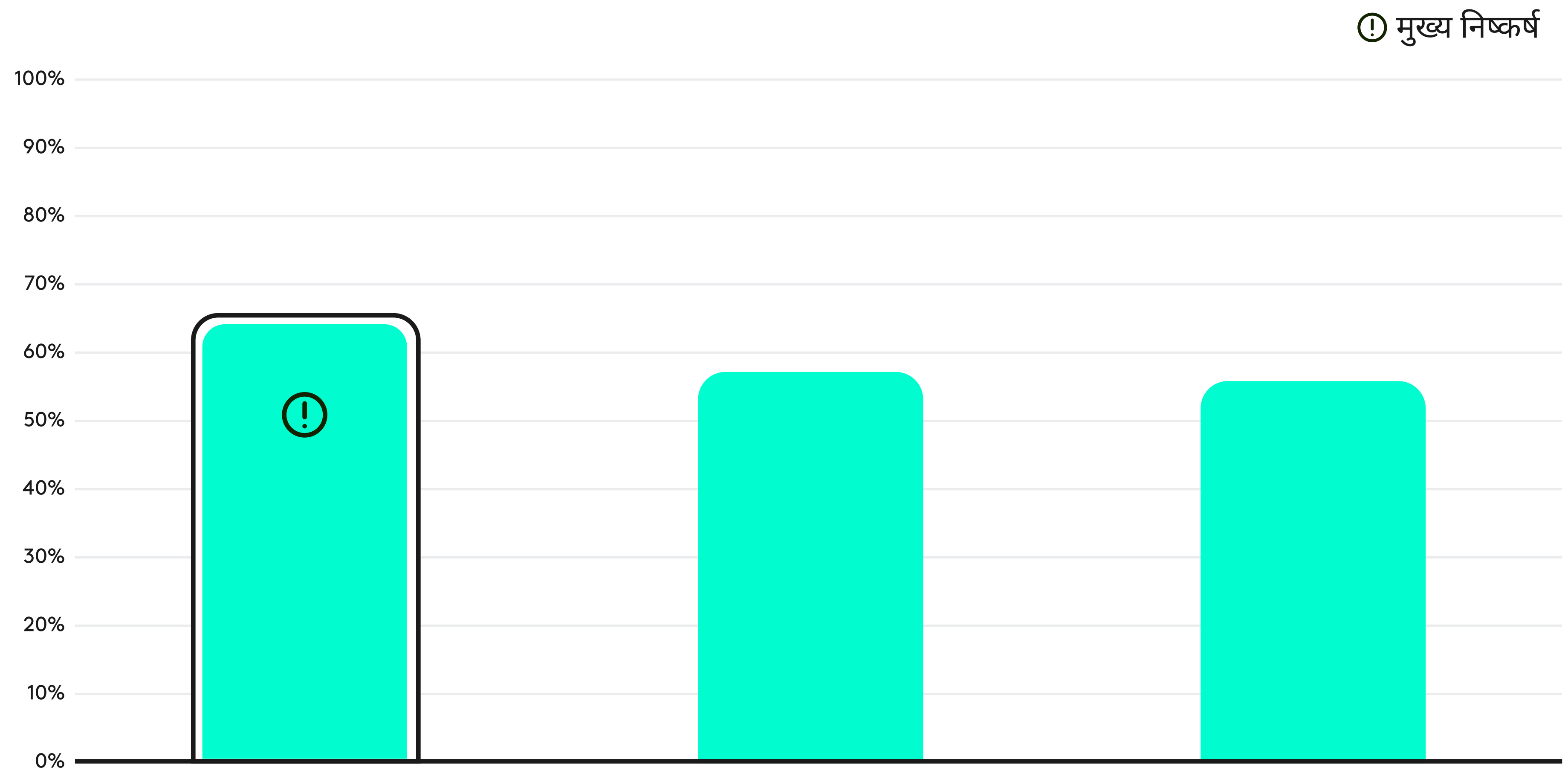

65% लोग अपने भौतिक उपकरणों पर अधिक नियंत्रण महसूस करते हैं

58% लोग हर दिन तकनीक पर बिताए जाने वाले समय पर सबसे अधिक नियंत्रण महसूस करते हैं

57% लोग इस बात पर सबसे अधिक नियंत्रण महसूस करते हैं कि उनके ऐप्स और डिवाइस एक साथ कैसे काम करते हैं

हार्डवेयर मानवीय परत है

हार्डवेयर नियंत्रण हासिल करने का एक अहम माध्यम है और इसी वजह से AI (एआई) को अपनाने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यही वह स्तर है, जिसे लोग अपनी जरूरत के अनुसार कॉन्फिगर, कस्टमाइज़ और वास्तव में अपना बना सकते हैं। डेटा दिखाता है कि लोग भौतिक चीज़ों को नहीं छोड़ रहे हैं। वे वास्तव में इस पर और मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं, और किसी व्यक्ति का AI (एआई) के साथ संबंध जितना उन्नत होता जाता है, यह बात उतनी ही सही साबित होती है।

42% लोगों का कहना है कि वे पांच साल पहले की तुलना में अब अपनी तकनीक को निर्देशित और नियंत्रित करने के लिए भौतिक हार्डवेयर पर ज्यादा निर्भर हैं। यह आंकड़ा टेक आशावादी में बढ़कर **51% और भारी AI उपयोगकर्ताओं में 76% हो जाता है**

जो पांच साल पहले की तुलना में अब भौतिक हार्डवेयर पर अधिक निर्भर हैं

टेक आशावादी अपनी तकनीक को निर्देशित और नियंत्रित करते हैं

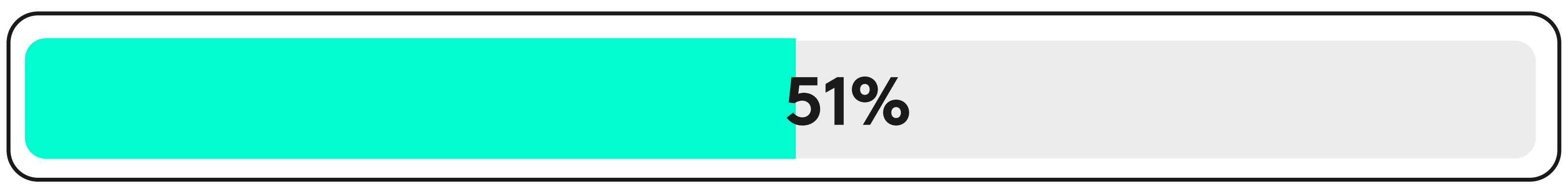

AI (एआई)के भारी उपयोगकर्ता

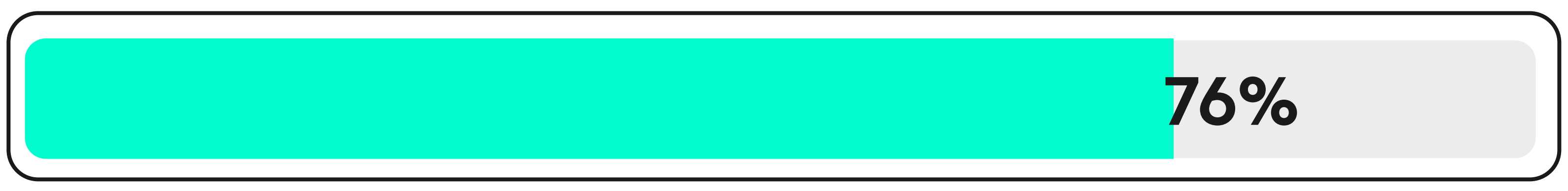

जहाँ तकनीक आकांक्षा में बदल जाती है

पश्चिमी देशों में तकनीक को अक्सर एक सुविधा के रूप में देखा जाता है — ऐसा टूल जो मौजूदा दिनचर्या को तेज या आसान बनाता है, लेकिन शायद ही कभी लोग इसे अपनी जरूरत के अनुसार सक्रिय रूप से ढालने के बारे में सोचते हैं। कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं में, तकनीक अलग तरह से काम करती है। यह उन्नति का एक मार्ग है और इसमें महारत हासिल करना सीधे आकांक्षा से जुड़ा है।

उपयोगिता बनाम अवसर का यह अंतर इस बात को प्रभावित करता हुआ दिखाई देता है कि लोग अपनी तकनीक के साथ कितनी सोच-समझकर जुड़ते हैं। चीन और ब्राज़ील के लोग इस बात से सबसे अधिक सहमत हैं कि तकनीक उनकी व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ाती है क्रमशः 80% और 78%। इसके मुकाबले, फ्रांस में यह आंकड़ा केवल 45% और जर्मनी में 56% है।

यह पैटर्न बताता है कि लोगों का तकनीक से संबंध इस बात पर कम निर्भर करता है कि उनके बाजार को पारंपरिक रूप से कितना उन्नत माना जाता है, और ज्यादा इस बात पर कि वे मानते हैं कि तकनीक उनके लिए क्या कर सकती है।

दुनिया भर में Ctrl Score

Ctrl Score प्रोफ़ाइल	वैश्विक	अमेरिका	यूके	ऑस्ट्रेलिया	जर्मनी	फ्रांस	भारत	चीन	ब्राजील	स्विट्जरलैंड
टेक कमांडर्स	10%	10%	9%	5%	6%	2%	13%	22%	13%	5%
टेक निर्माता	20%	19%	17%	16%	18%	10%	28%	28%	27%	21%
टेक अनुकूलक	35%	36%	32%	33%	38%	29%	36%	35%	35%	42%
टेक उत्तराधिकारी	22%	22%	27%	28%	22%	30%	16%	11%	17%	22%
टेक दर्शक	13%	13%	15%	17%	16%	29%	7%	4%	8%	10%

नियंत्रण लाभांश

ज्यादा नियंत्रण की भावना के साथ इसके महत्वपूर्ण फायदे भी मिलते हैं। जब लोगों को अपने टूल्स और आसपास के माहौल पर पूरा नियंत्रण महसूस होता है, तो डेटा में इसके स्पष्ट और मापने योग्य फायदे दिखाई देते हैं। हाँ, उत्पादकता तो बढ़ती ही है, लेकिन पहली बार यह रिसर्च दिखाती है कि नियंत्रण की भावना से भावनात्मक और शारीरिक लाभ भी बढ़ते हैं जैसे ज्यादा आत्मविश्वास, आशावाद और क्रिएटिविटी से लेकर बेहतर मूड, ज्यादा ऊर्जा और बेहतर शारीरिक स्वास्थ्य तक — काम और मनोरंजन, दोनों में।

नियंत्रण के फायदे

नियंत्रण के लाभ दैनिक समय की बचत या दक्षता से परे दिखाई देते हैं। लोग इसे महत्वाकांक्षा और उपलब्धि के संदर्भ में बताते हैं — दूसरे शब्दों में, यह लाभ उनके लिए संभावनाओं की उस सीमा को और बढ़ा देता है, जिसे वे अपने लिए संभव मानते हैं।

77%
लोग इस बात से सहमत हैं कि जो लोग तकनीक पर ज्यादा नियंत्रण महसूस करते हैं, वे जिंदगी से ज्यादा हासिल करते हैं।

81%
लोगों का कहना है कि सही टेक्नोलॉजी सेटअप उनके लक्ष्यों को हासिल करने और उनसे पीछे रह जाने के बीच का फर्क तय कर सकता है।

56%
लोगों का कहना है कि जब वे अपनी तकनीक पर नियंत्रण रखते हैं, तो उन्हें अपनी जिंदगी के दूसरे पहलुओं पर भी ज्यादा नियंत्रण महसूस होता है।

सकारात्मकता का वह तरीका जिसके बारे में कोई बात नहीं कर रहा है

आकांक्षाएं कहानी का सिर्फ एक हिस्सा हैं। तकनीक पर नियंत्रण से लोगों को वही लाभ मिलते हैं, जिन्हें वे वेलनेस रूटीन या यहां तक कि काम से छुट्टी लेकर आराम करने के जरिए हासिल करना चाहते हैं।

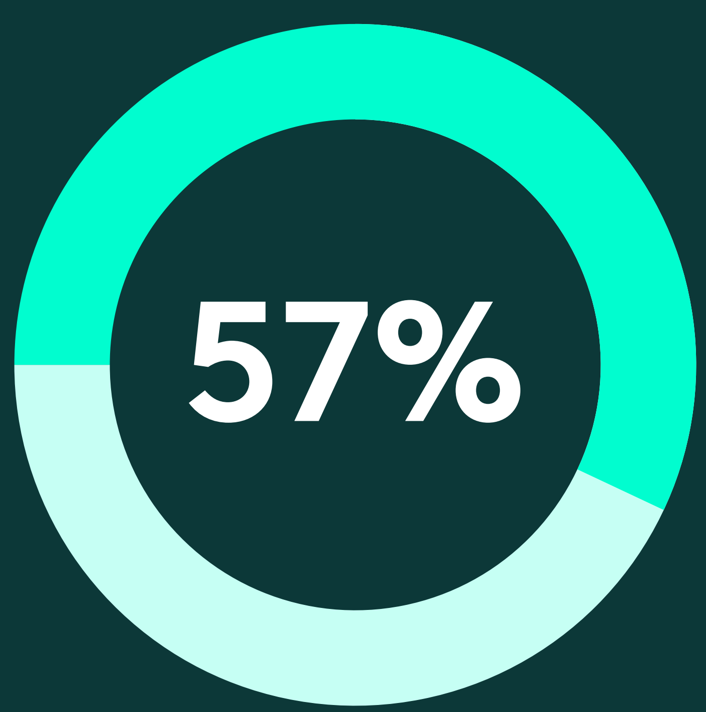

जब वे अपनी तकनीक पर नियंत्रण रखते हैं, तो उन्हें अपने भविष्य को लेकर ज्यादा आशावादी महसूस होता है।

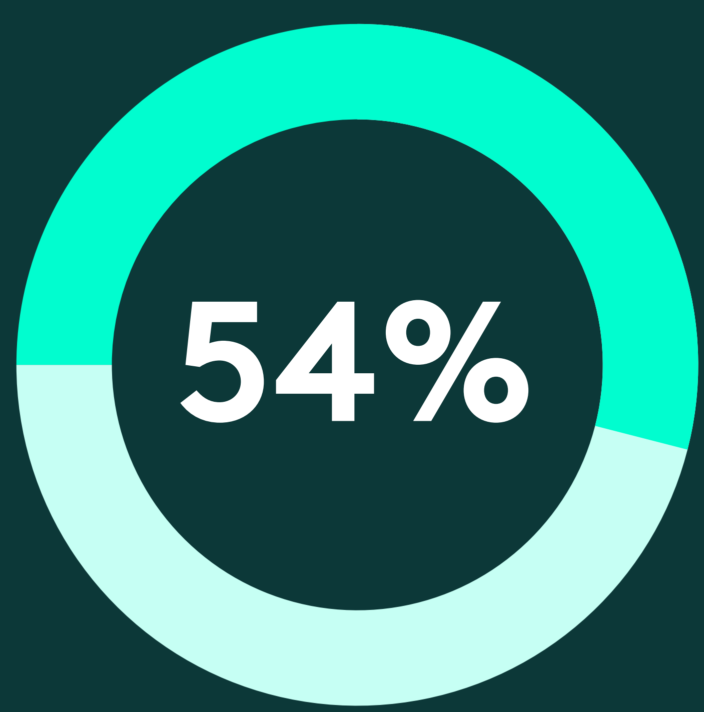

अपने शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य में वास्तविक सुधार का अनुभव करते हैं।

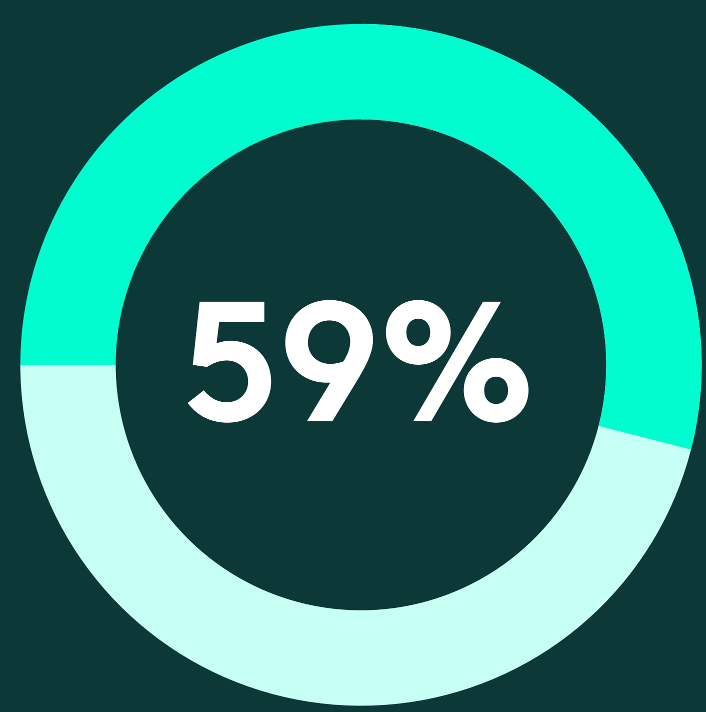

कहते हैं कि उनकी तकनीक पर नियंत्रण उनके समग्र मूड को प्रभावित करता है।

मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं इसमें शामिल नहीं हो पा रहा हूं या सक्रिय रूप से जुड़ नहीं पा रहा हूं, या सामाजिक रूप से जुड़ नहीं पा रहा हूं... ये ऐसी चीजें हैं, जो मुझे खुशी देती हैं और मेरी जिंदगी को वैसा बनाने में मदद करती हैं, जैसी मैं चाहता हूं यह मुझे अच्छा और आत्मविश्वासी महसूस कराता है

रेबेका, 60

एक आत्मविश्वास और रचनात्मकता गुणक

कर्मचारियों से पूछें कि रोजाना उनके काम के प्रदर्शन को क्या प्रभावित करता है, तो हैरानी की बात है कि बड़ी संख्या में लोग किसी ऐसी साधारण चीज की ओर इशारा करते हैं कि उनके टूल्स उनकी उम्मीद के मुताबिक काम करते हैं या नहीं। लोग दिन में आठ घंटे कैसा महसूस करते हैं, यह मायने रखता है। जब उनका टेक सेटअप उन्हें वह सब करने में मदद करने लगे, जो उन्होंने सोचा भी नहीं था कि वे कर सकते हैं, तो इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

85%
कर्मचारियों का कहना है कि नियंत्रण उन्हें काम पर ज्यादा आत्मविश्वासी बनाता है।

82%
लोगों का कहना है कि नियंत्रण उन्हें अपनी भूमिका में ज्यादा रचनात्मक और नए विचारों के साथ काम करने में सक्षम बनाता है।

82%
लोगों का कहना है कि जब उनका टेक सेटअप उनके लिए सही तरीके से काम करता है, तो वे पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंचते हैं।

Ctrl Dividend क्रियाशील है

गेमर्स सबसे स्पष्ट प्रमाण प्रदान करते हैं कि नियंत्रण के साथ प्रतिफल भी मिलता है। इस समूह ने अपनी तकनीक पर मजबूत नियंत्रण बनाने में लगभग किसी भी दूसरे ग्रुप से ज्यादा समय लगाया है और इसके बदले उन्हें अपनी जिंदगी के अलग-अलग क्षेत्रों में भावनात्मक और व्यावहारिक लाभ मिले हैं।

अपने आसपास की तकनीक पर बेहतर पकड़ बनाने से उनमें जो आत्मविश्वास पैदा हुआ है, उसका असर उनकी जिंदगी के दूसरे हिस्सों में भी दिखाई देता है। यह इस बात में भी नजर आता है कि वे नई चुनौतियों का सामना कैसे करते हैं, अनजान टूल्स को कैसे सीखते हैं और दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं। उनका अनुभव इस बात की झलक देता है कि जब लोग तकनीक को समझने और तलाशने के साथ-साथ उस पर अपना नियंत्रण भी कायम करते हैं, तो क्या होता है।

घर पर महारत काम में भी झलकती है

घर पर सोच-समझकर अपनी पसंद के अनुसार पर्सनलाइज़्ड सेटअप तैयार करने के वर्षों का अनुभव काम की जगह पर भी असर डालता हुआ दिखाई देता है। यह उन सभी नियोक्ताओं के लिए एक सीख है, जो ज्यादा अनुकूलनशील और मजबूत कार्यबल तैयार करना चाहते हैं।

81%
लोग इस बात से सहमत हैं कि गेमिंग उन्हें वास्तविक जिंदगी की चुनौतियों का सामना करने में ज्यादा आत्मविश्वासी बनाती है।

82%
लोगों का कहना है कि यह उन्हें दबाव और अफरातफरी वाली परिस्थितियों में शांत और एकाग्र रहने में मदद करती है।

81%
लोगों का कहना है कि जटिल गेमिंग सिस्टम के साथ सहज होने से उन्हें काम पर नई तकनीकें सीखने में कम चिंता होती है।

जब गेम खत्म होता है, तब भी नियंत्रण बना रहता है

83%
गेमर्स का कहना है कि उनका गेमिंग सेटअप उन्हें ऐसी जगह देता है, जहाँ वे पूरी तरह नियंत्रण में महसूस करते हैं।

68%
गेमर्स का कहना है कि गेमिंग एक सामुदायिक गतिविधि है, उन्होंने इसके जरिए सच्ची दोस्ती बनाई है या इससे उन्हें कम अकेलापन महसूस हुआ है।

79%
गेमर्स इस बात से सहमत हैं कि सही सेटअप का असर उनके ध्यान केंद्रित रखने और पूरी तरह गेम में डूबे रहने की क्षमता पर पड़ता है।

तकनीकी व्यवधान की लागत

यह इसका दूसरा पहलू है: नियंत्रण का अभाव तटस्थ नहीं होता है। यह लोगों के मूड, शारीरिक खुशहाली, प्रोडक्टिविटी और दूसरों से जुड़ाव पर नकारात्मक असर से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इसका प्रभाव केवल एक बुरे दिन तक सीमित नहीं है। हममें से कई लोग जहां अपने जागने के ज्यादातर घंटे बिताते हैं, उस माहौल में रोजाना होने वाली छोटी-छोटी परेशानियां लाखों लोगों के लिए धीरे-धीरे जमा होती जाती हैं। काम पर शुरू हुई छोटी-सी परेशानी धीरे-धीरे एक ऐसे सिलसिले में बदल जाती है, जो जिंदगी को भावनात्मक और शारीरिक रूप से ज्यादा थका देने वाला बना देता है।

> **अगर सिर्फ "काम करने की कोशिश करना" ही रोजाना की एक लगातार जंग बन जाए, तो यह तनाव की एक ऐसी अतिरिक्त परत जोड़ देता है, जिसकी लोगों को अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में बिल्कुल जरूरत नहीं है**
>
> **वेन, 41, आईटी निर्णयकर्ता (ITDM)**

24-घंटे का तकनीकी प्रभाव

धीमी वीडियो कॉल कनेक्शन से होने वाली देरी या डिवाइस बदलते समय आने वाली परेशानियां हमेशा काम की जगह तक सीमित नहीं रहतीं। ज्यादातर लोगों के लिए, काम पर गंवाए गए उन मिनटों का असर काम के घंटों के बाद भी उनके साथ बना रहता है — इसलिए कम नियंत्रण का दूरगामी असर जीवन की गुणवत्ता में भी कमी के रूप में दिखाई देता है।

64%
लोगों का कहना है कि टेक्नोलॉजी से जुड़ी परेशानियां काम के घंटों के बाद उनके कुल मूड को प्रभावित करती हैं।

63%
लोगों का कहना है कि यह उनकी निजी जिंदगी पर अपने नियंत्रण की भावना को प्रभावित करता है।

62%
लोगों का कहना है कि यह शाम को उनके ऊर्जा स्तर को प्रभावित करता है।

जब तकनीक जरूरत के मुताबिक बिल्कुल सही तरीके से काम करती है, तो लोग सबसे ज्यादा महसूस करते हैं...

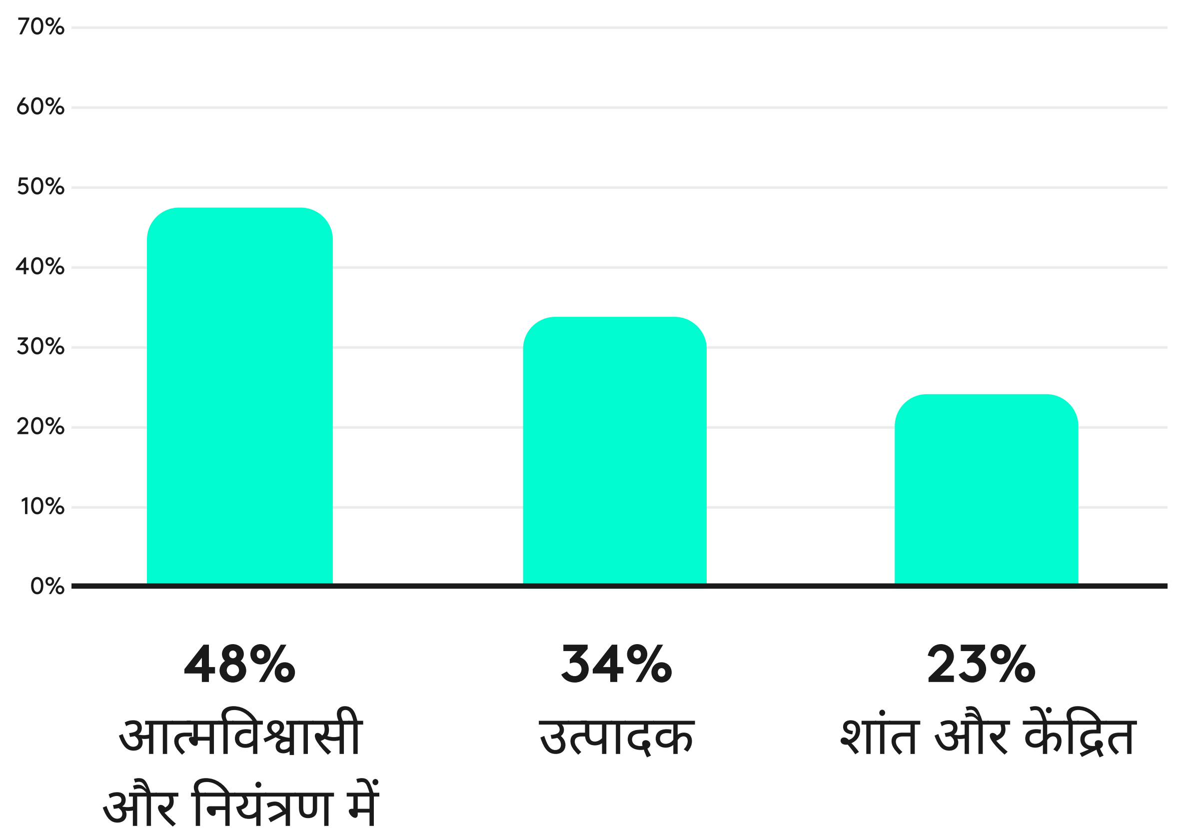

लेकिन जब तकनीक विफल हो जाती है, तो लोग सबसे अधिक महसूस करते हैं...

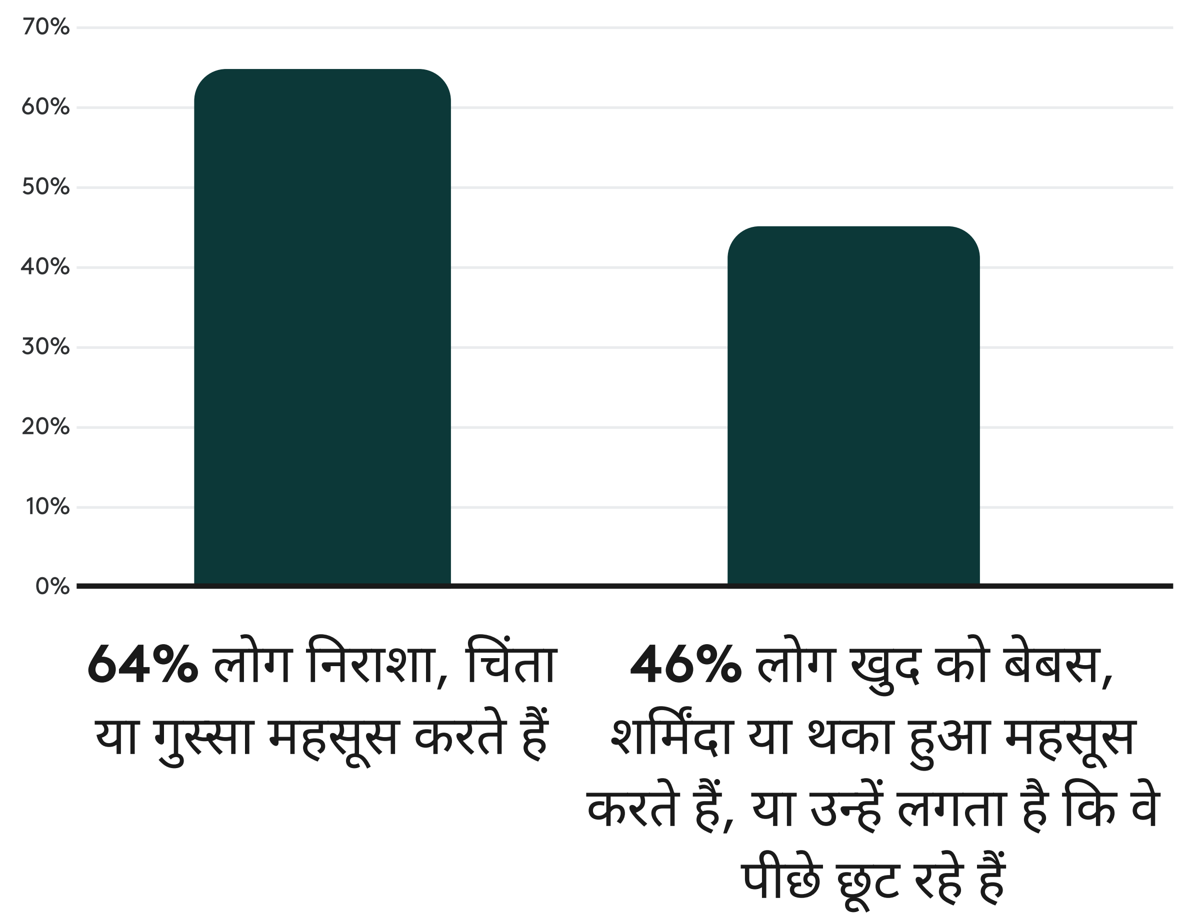

शरीर सब याद रखता है

बहुत से लोगों के लिए, अपने टेक सेटअप से होने वाली असहजता कामकाजी जिंदगी का एक आम हिस्सा बन गई है इसे चुपचाप इस तरह सामान्य मान लिया गया है, जैसा दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं को नहीं माना जाता। शारीरिक विकलांगता वाले लोगों के लिए, वह बोझ और भी अधिक है। जो लोग सोच-समझकर किए गए डिजाइन और ऐसी लचीली तकनीक से सबसे ज्यादा लाभ उठा सकते हैं, जो उन्हें ज्यादा नियंत्रण देती है, व्यवहार में उनके पास ऐसी सुविधाएं होने की संभावना सबसे कम है।

लोगों को अपने टेक सेटअप की वजह से महीने में कम से कम एक बार शारीरिक असहजता महसूस होती है — जैसे कलाई में दर्द, आंखों में थकान और गर्दन में थकान।

विकलांग लोग अधिक तनाव का सामना करते हैं

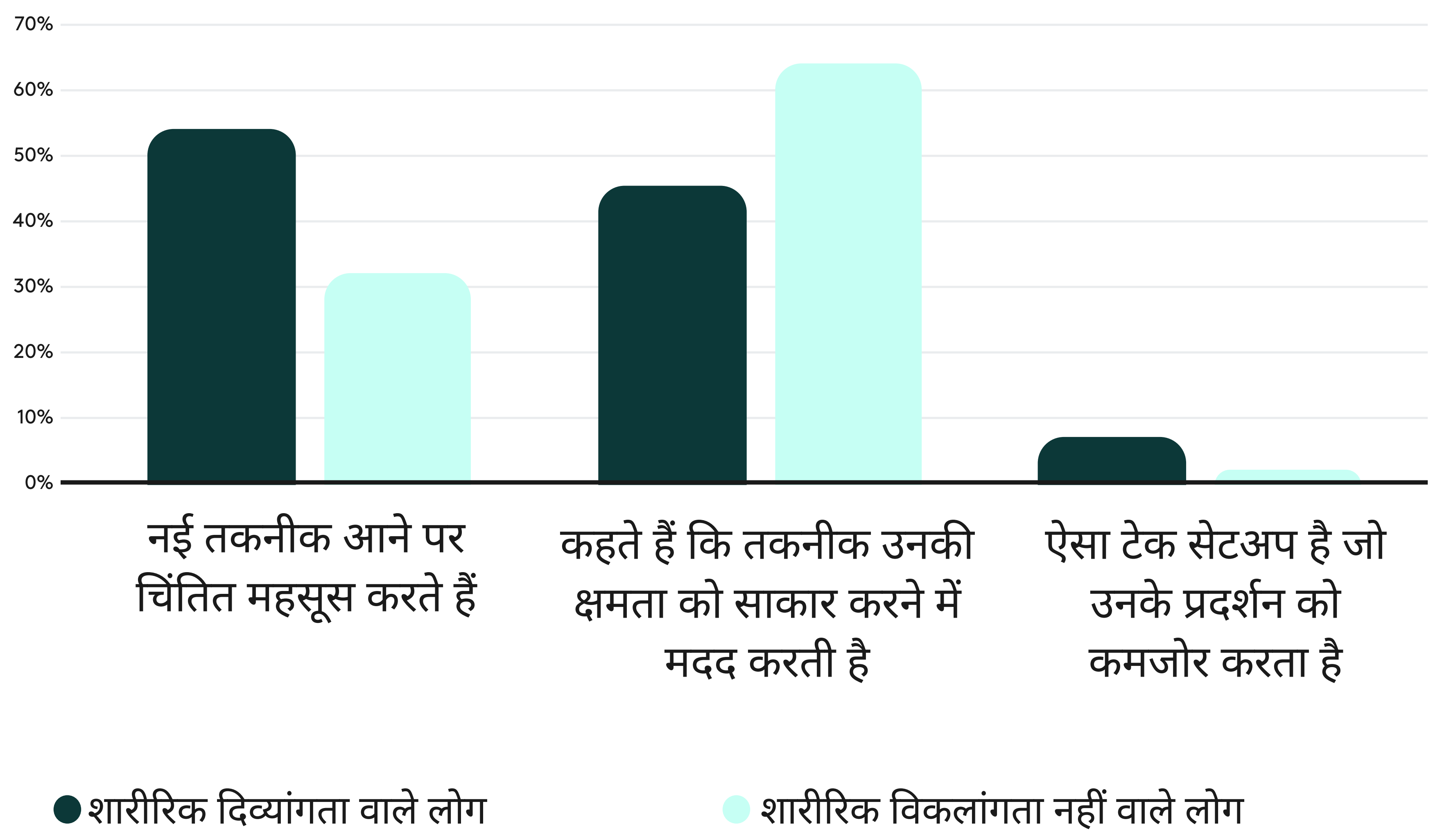

Ctrl Tax क्रियाशील है

लोगों की तकनीक से जुड़ी जिंदगी के सभी माहौल में, नियंत्रण के मामले में ऑफिस सबसे पीछे है। उस असंतुलन की एक वास्तविक भावनात्मक कीमत है। जो कर्मचारी घर पर अपनी जरूरत के मुताबिक, यहां तक कि बेहतर प्रदर्शन के लिए भी, टेक सेटअप तैयार कर चुके हैं, उन्हें अक्सर ऐसे ऑफिस में काम करना पड़ता है जहां वैसी सहजता या नियंत्रण नहीं मिलता। उन्हें उन टूल्स की जगह ऐसे मानक सेटअप को अपनाना पड़ता है, जिसे वे खुद शायद कभी न चुनें।

नतीजा यह है कि घर पर आत्मविश्वास और सहजता के बिल्कुल उलट, ऑफिस में झुंझलाहट और ध्यान की कमी नजर आती है — जबकि यही वह जगह है, जहां कार्यस्थल की प्रोडक्टिविटी की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। खासकर हाइब्रिड कर्मचारियों के लिए, यह असंगति उन दिनों उनके मूड, ध्यान और ऊर्जा को प्रभावित कर सकती है, जब उनसे साथ मिलकर काम करने और ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है।

नियोक्ताओं के पास यहाँ एक अवसर है। जब कंपनियां ऐसे उपकरणों और टेक सेटअप में निवेश करती हैं, जो कर्मचारियों को अपनी जरूरत के मुताबिक काम करने की आजादी और शारीरिक सहजता देते हैं, तो वे उन परेशानियों को दूर कर रही होती हैं, जो उनके अपेक्षित प्रदर्शन में रुकावट डालती हैं।

कार्यालय तकनीक का अनुभव कमतर है

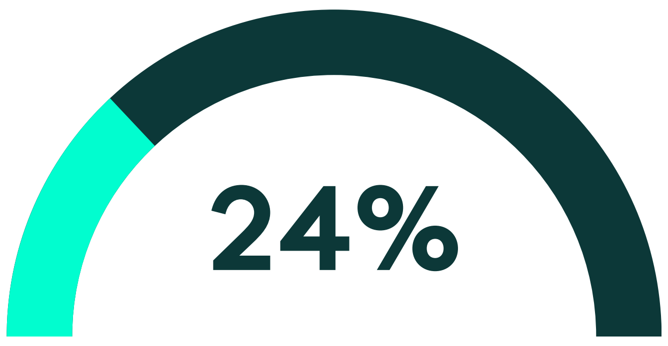

केवल 24% कर्मचारी कहते हैं कि उनके पास घर पर या यात्रा के दौरान 48% की तुलना में कार्यालय में अपनी तकनीक पर अधिक नियंत्रण है।

केवल 5 में से 1 कर्मचारी ही अपनी मौजूदा काम की टेक सेटअप को तब भी बनाए रखेगा, अगर उसे अपनी पसंद से चुनने की पूरी आजादी दी जाए।

लेकिन जब तकनीक लोगों के लिए काम करती है, तो परिणाम बहुत कुछ कहते हैं

82%
लोगों का कहना है कि जब उनका टेक सेटअप उनके लिए सही तरीके से काम करता है, तो वे पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंचते हैं।

66%
लोगों का कहना है कि काम की तकनीक पर नियंत्रण महसूस करना उनकी एकाग्रता और ध्यान बनाए रखने की क्षमता को प्रभावित करता है।

69%
कर्मचारियों का कहना है कि तकनीक पर नियंत्रण उनकी नौकरी से संतुष्टि को प्रभावित करता है।

"जब मेरी तकनीक उम्मीद के मुताबिक काम करती है और सब कुछ सही चल रहा होता है, तो मुझे लगता है कि मैं ज्यादा आसानी से पूरी तरह अपने काम में डूब पाता हूं

हंटर, 25

कार्यस्थल में बदलाव का समय

जो संगठन सबसे पहले नियंत्रण की इस कमी को दूर करते हैं — कर्मचारियों को अपनी तरह से काम करने की आजादी देकर और सोच-समझकर तकनीक में निवेश करके — उन्हें बढ़त हासिल होती है। आज, आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) पारंपरिक हार्डवेयर खरीद से कहीं आगे बढ़कर कॉर्पोरेट माहौल को आकार दे रहे हैं।

इसके बजाय, IT लीडर्स अब मानवीय प्रदर्शन के एक अहम केंद्र बन गए हैं, क्योंकि उनके तकनीक से जुड़े फैसले सीधे कर्मचारियों की खुशहाली और इस बात को प्रभावित करते हैं कि लोग हर दिन अपने काम का अनुभव कैसे करते हैं। जब IT एक सहज और सशक्त डिजिटल अनुभव को प्राथमिकता देता है, तो इससे लोगों के काम के अनुभव, उनकी प्रोडक्टिविटी और कर्मचारियों को बनाए रखने की क्षमता में सुधार हो सकता है — और इन सभी का असर बिजनेस के प्रदर्शन पर पड़ सकता है।

यह एक बड़ी जिम्मेदारी है, लेकिन IT लीडर इसे निभाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। Logitech का डेटा दिखाता है कि आम लोगों की तुलना में इन निर्णयकर्ताओं में टेक्नोलॉजी की विशेषज्ञता के साथ गेमर्स जैसी सोच होने की संभावना ज्यादा होती है। इसलिए नियंत्रण से मिलने वाले लाभों के उनके अपने अनुभव सीधे तौर पर इस बात को प्रभावित कर रहे हैं कि वे अपने कर्मचारियों के लिए तकनीक उपलब्ध कराने के बारे में कैसे सोचते हैं, खासकर AI के दौर में।

> जब किसी कर्मचारी का टेक सेटअप बिल्कुल उसी तरह काम करता है, जैसा उसे करना चाहिए, तो मैं उन्हें ज्यादा आत्मविश्वासी, एकाग्र और उत्पादक बनते हुए देखता हूं वे तकनीक के बारे में सोचना बंद कर देते हैं और अपना पूरा ध्यान अपने काम पर लगा सकते हैं
>
> शार्बेल, 48, आईटी निर्णयकर्ता (ITDM)

आईटी लीडर स्तर ऊपर उठाने के लिए बने हैं

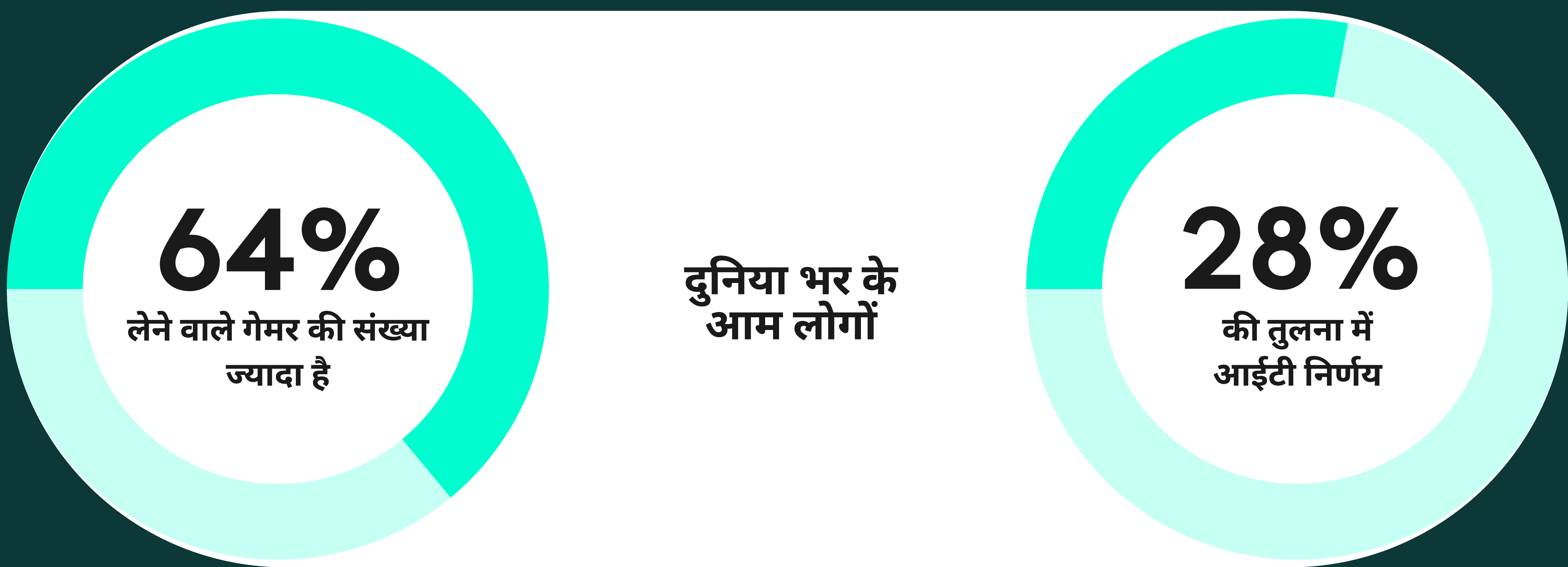

कर्मचारियों से जुड़े हुए

IT लीडर्स जानते हैं कि हार्डवेयर सिर्फ एक बजट मद नहीं, बल्कि टैलेंट स्ट्रैटेजी का अहम हिस्सा है।

अब वे धीरे-धीरे इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेज करने से आगे बढ़कर ऑपरेशनल परफॉर्मेंस को सक्रिय रूप से बेहतर बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। उनके नजरिए पहले से ही इस बात से काफी हद तक मेल खाते हैं कि लोग रोजमर्रा में क्या अनुभव करते हैं, इसलिए कर्मचारी अपना सबसे अच्छा काम करने के लिए क्या चाहते हैं, इसे समझने के लिए वे सबसे भरोसेमंद संकेतों में से एक हैं। IT लीडर्स जानते हैं कि जब कर्मचारियों को लगता है कि उनके टूल्स उनके समय की कद्र करते हैं, तो वे ऐसी फ्लो स्टेट में पहुंच जाते हैं, जहां काम आसानी से पूरा होता है।

लाभ	आईटी निर्णयकर्ता (ITDM)		वैश्विक स्तर पर लोग	
मनोदशा और भावनात्मक कल्याण	79%	कहते हैं कि तकनीक की गुणवत्ता काम के दौरान कर्मचारियों के मूड और भावनात्मक खुशहाली को प्रभावित करती है।	64%	कहते हैं कि यह काम के घंटों के बाद उनकी समग्र मनोदशा को प्रभावित करती है।
आत्मविश्वास	83%	कहते हैं कि यह कर्मचारी के आत्मविश्वास को प्रभावित करता है।	85%	कहते हैं कि अपनी तकनीक पर नियंत्रण महसूस करने से वे काम पर अधिक आत्मविश्वासी बनते हैं।
काम पर नियंत्रण	52%	कहते हैं कि यह कर्मचारियों के अपने काम पर नियंत्रण की भावना को प्रभावित करता है।	82%	लोगों का कहना है कि जब उनका टेक सेटअप उनके लिए सही तरीके से काम करता है, तो वे पूरी तरह ध्यान केंद्रित कर पाते हैं और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर पहुंचते हैं।
प्रतिधारण	76%	आईटी निर्णय-निर्माताओं में से कुछ का मानना है कि तकनीक की गुणवत्ता सीधे तौर पर इस बात को प्रभावित करती है कि कर्मचारी कंपनी में बने रहते हैं या नौकरी छोड़ देते हैं।	69%	कर्मचारियों का कहना है कि तकनीक पर नियंत्रण उनकी नौकरी से संतुष्टि को प्रभावित करता है।
उत्पादकता	83%	आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) में से कुछ का मानना है कि जब कर्मचारियों को अपनी तकनीक पर ज्यादा नियंत्रण दिया जाता है, तो उत्पादकता बढ़ती है।	48%	अपनी तकनीक के काम करने पर आत्मविश्वास या नियंत्रण महसूस करते हैं।

लेकिन स्कोरबोर्ड गायब है

अब बाकी व्यवसाय के लिए आगे बढ़ने का अवसर है। आईटी (IT) लीडर पहले से ही अपने निर्णयों के मानवीय दांव को समझते हैं। अधिकांश संगठनों में जिस चीज़ की कमी है, वह इसे मापने की एक प्रणाली है। नियंत्रण को एक मीट्रिक के रूप में मानकर, आईटी (IT) लीडर अपनी प्रवृत्ति को प्रभाव में बदल सकते हैं।

केवल
35%

आईटी (IT) निर्णय निर्माता औपचारिक रूप से और नियमित रूप से अपने तकनीकी निर्णयों के मानवीय प्रभाव को ट्रैक करते हैं।

Ctrl Tomorrow आज से शुरू होता है

नियंत्रण का अंतर वास्तविक है। यह आत्मविश्वास और सशक्त महसूस करने वाले लोगों को उन लोगों से अलग करता है, जिन्हें अपने ध्यान और ऊर्जा पर तकनीक का वास्तविक बोझ महसूस होता है।

हालाँकि, इसे स्थायी होने की आवश्यकता नहीं है। कोई भी इसे आज ही कम करना शुरू कर सकता है।

जो लोग अपनी तकनीक पर नियंत्रण रखते हैं, सोच-समझकर अपना टेक सेटअप तैयार करते हैं और डिफॉल्ट विकल्पों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, उनके लिए आने वाला कल अचानक सामने आने वाली किसी अनजान चीज जैसा नहीं लगेगा। यह ऐसा महसूस होगा जैसे वे आज ही इसके लिए तैयार हैं।

आपकी चाल: नियंत्रण हासिल करना आपकी पहुँच में है

वहाँ से शुरू करें जहाँ आपके हाथ पहले से हैं लोगों को अपनी तकनीक पर सबसे ज्यादा नियंत्रण भौतिक डिवाइस के इस्तेमाल में महसूस होता है, और हार्डवेयर के साथ सहजता अक्सर बाकी तकनीकों, जिसमें AI (एआई) भी शामिल है, के साथ ज्यादा आत्मविश्वास महसूस करने की शुरुआत बन जाती है।अगर आपको समझ नहीं आ रहा कि शुरुआत कहां से करें, तो सबसे पहले उन डिवाइस पर गौर करें, जिन्हें आप रोजाना इस्तेमाल करते हैं कीबोर्ड और माउस से लेकर हेडसेट और मॉनिटर तक और खुद से पूछें कि क्या वे वास्तव में आपके काम आ रहे हैं

असुविधा के माध्यम से सीखें जो लोग नियमित रूप से यह सोचते हैं कि क्या उनका टेक सेटअप अभी भी उनके रहन-सहन और काम करने के तरीके के मुताबिक है, उनके अपनी तकनीक पर नियंत्रण महसूस करने की संभावना ज्यादा होती है, बजाय इसके कि वे डिफॉल्ट रूप से उसी सेटअप का इस्तेमाल करते रहें। इसका मतलब है कि चीजें ठीक चल रही हों, तब भी थोड़ी जिज्ञासा बनाए रखें। साल में सिर्फ एक बार अपने टेक सेटअप की समीक्षा करना या जरूरत पड़ने से पहले कोई नया टूल आजमाना भी एक निष्क्रिय सेटअप को सक्रिय सेटअप में बदल सकता है

जिस परेशानी को नजरअंदाज करने की आदत हो गई है, उसे दूर करें। छोटी-छोटी, बार-बार होने वाली परेशानियां धीरे-धीरे मूड और ऊर्जा पर वास्तविक असर डालती हैं काम के दौरान भी और काम खत्म होने के बाद भी। अपने टेक सेटअप की उन समस्याओं को दूर करना, जिनके साथ जीने की आपको आदत हो गई है, अपना ध्यान वापस पाने और रोजाना होने वाली थकान को कम करने के सबसे तेज तरीकों में से एक है।

IT लीडर कार्यस्थल में बेहतर नियंत्रण कैसे बना सकते हैं

घर पर जो काम करता है उससे सीखें **डेटा** से पता चलता है कि भौतिक टूल्स पर नियंत्रण और आत्मविश्वास, एकाग्रता और नौकरी से संतुष्टि के बीच मजबूत संबंध है। शुरुआत इस सवाल से करें कि घर पर उनके लिए वास्तव में क्या अच्छा काम कर रहा है और क्यों। उनके पर्सनल सेटअप अक्सर इस बात का सबसे स्पष्ट ब्लू प्रिंट होते हैं कि उन्हें ध्यान केंद्रित करने में किस चीज़ से मदद मिलती है। काम की जगह पर लोगों को कोई तय स्टैंडर्ड देने के बजाय, अपने टूल्स को अपनी पसंद के अनुसार तैयार करने की आज़ादी देने से उनके फ्लो की स्थिति में पहुँचने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की संभावना बढ़ जाती है।

मानवीय प्रभाव को मापें फिलहाल सिर्फ 35% IT लीडर्स इस बात पर नजर रखते हैं कि तकनीक से जुड़े फैसले कर्मचारियों की खुशहाली और प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करते हैं।IT लीडर्स के बीच इस बात की जागरूकता पहले से मौजूद है, जो अक्सर अनौपचारिक बातचीत और रोजमर्रा के अवलोकन से विकसित हुई है इसे नियमित रूप से मापने की प्रक्रिया में बदलना भले ही साल में दो बार एक छोटा-सा सर्वे ही क्यों न हो सहज समझ को ऐसे ठोस बिजनेस केस में बदल देता है, जिस पर लीडरशिप कार्रवाई कर सकती है

उपकरणों को एक प्रतिधारण रणनीति के रूप में मानें। IT लीडर्स में से ज्यादातर पहले से मानते हैं कि तकनीक की गुणवत्ता इस बात को प्रभावित करती है कि कर्मचारी कंपनी में बने रहते हैं या नौकरी छोड़ देते हैं, और कर्मचारी भी मानते हैं कि नियंत्रण उनकी नौकरी से संतुष्टि को प्रभावित करता है। अगला कदम आसान है: लोगों से सीधे पूछें कि ऐसी कौन-सी चीजें हैं, जो उनके दिन को जरूरत से ज्यादा मुश्किल बना रही हैं, और क्या चीजें उसे आसान बना सकती हैं। डेटा से पता चलता है कि IT लीडर्स और कर्मचारी पहले से इस बात पर सहमत हैं कि उपकरणों से जुड़े फैसले सिर्फ लागत के आधार पर नहीं, बल्कि प्रदर्शन और खुशहाली को ध्यान में रखकर किए जाने चाहिए

कार्यप्रणाली

वैश्विक Logitech Ctrl Tomorrow Study का संचालन Burson ने मई-जून 2026 में नौ देशों अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, भारत, चीन और ब्राजील में किया था।

Burson ने ऑनलाइन रिसर्च पैनल का इस्तेमाल करके हर देश में 900 ऑनलाइन वयस्कों का एक प्रतिनिधि सैंपल सर्वे किया। सामान्य जनसंख्या के सैंपल के हिस्से के रूप में, हर देश में 100 गेमर्स का एक अतिरिक्त सैंपल शामिल किया गया। इसके लिए व्यापक ऑनलाइन समूह से ऐसे उत्तरदाताओं की पहचान की गई, जो अपने गेमिंग व्यवहार और गेम खेलने की आवृत्ति के आधार पर गेमर की श्रेणी में आते थे। n=8,168 सर्वेक्षणों के लिए वैश्विक मार्जिन ऑफ एरर ±1.1% है। हर देश में n=900 वयस्कों के लिए मार्जिन ऑफ एरर ±3.3% है।

हर देश में सामान्य जनसंख्या के लिए कोटा तय किए गए थे और डेटा संग्रह शुरू होने से पहले निर्धारित किए गए थे। डेटा संग्रह के दौरान ऑनलाइन ऑडियंस के आधार पर सैंपल की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किए गए। विकासशील बाजारों — खासकर भारत और चीन, और कुछ हद तक ब्राजील — में सैंपल ऑनलाइन जुड़ी आबादी को दर्शाते हैं, जो व्यापक राष्ट्रीय आबादी की तुलना में अपेक्षाकृत कम उम्र की और ज्यादा शिक्षित है।

Logitech Ctrl Tomorrow Global Survey में हर देश के n=150 आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) के बीच अलग से एक प्रश्नावली भी कराई गई। ऑनलाइन रिसर्च पैनल ने संबंधित पेशेवर प्रोफाइल की पहचान की और उनकी रोजगार स्थिति, संगठन में जिम्मेदारियों और कंपनी के आकार से जुड़े मानदंडों के आधार पर उनकी स्क्रीनिंग की, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इस स्टडी में इस्तेमाल की गई आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) की परिभाषा के अनुरूप हों। आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) के n=1,350 सर्वेक्षणों के लिए वैश्विक मार्जिन ऑफ एरर ±2.7% है।

सामान्य जनसंख्या और आईटी निर्णयकर्ता (ITDM) सर्वेक्षणों की प्रश्नावलियों का अनुवाद किया गया और हर देश के लिए भाषा को स्थानीय संदर्भ के अनुसार ढाला गया। सर्वेक्षण किए गए क्षेत्रों में Burson की स्थानीय विशेषज्ञता ने यह सुनिश्चित किया कि अलग-अलग भाषाओं में अर्थ और उद्देश्य बरकरार रहें।